बी.एस.एस.एस.-183 : जीवन कौशल जानकारियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BSSS-183**
सत्रीय कार्य कोड : **बी.एस.एस.एस. -183 /ए.एस.एस.टी./TMA/2026-2027**
अधिकतम अंकः **100**

नोटः कोई भी पाँच प्रश्न करने अनिवार्य है। यह सत्रीय कार्य दो भागों में विभाजित हैं। आपको इन दो भागों में से दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

सत्रीय कार्य - I

1) सार्वभौमिक मानव मूल्यों के स्तंभों और समकालीन विश्व में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। 20

2) निम्नलिखित पर चर्चा कीजिएः 20

   क) एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट)

   ख) आरोप पत्र

3) निम्नलिखित पर चर्चा कीजिएः 20

   क) संक्रामक रोग

   ख) अंगदान

4) लैंगिक संवेदीकरण के महत्व पर चर्चा कीजिए। 20

5) दिव्यांगजनों के सामने आने वाली चुनौतियों की व्याख्या कीजिए। 20

सत्रीय कार्य - II

6) मल्टीमीडिया और डिजिटल संचार से आप क्या समझते हैं? चर्चा कीजिए। 20

7) हमारे डिजिटल पदचिन्ह के साथ सावधान रहना क्यों महत्वपूर्ण है? चर्चा कीजिए। 20

8) विभिन्न निवेश विकल्पों और निवेश निर्णयों को प्रभावित करने वाले कारकों पर चर्चा कीजिए। 20

9) निम्नलिखित पर चर्चा कीजिएः 20

   क) जैम ट्रिनिटी

   ख) वोटर कार्ड

10) स्वरोजगार की संभावनाओं और इसकी चुनौतियों की जाँच कीजिए। 20

1) सार्वभौमिक मानव मूल्यों के स्तंभों और समकालीन विश्व में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (20)

उत्तर :

सार्वभौमिक मानव मूल्य वे नैतिक आदर्श हैं जिन्हें मनुष्य की गरिमा और सामूहिक कल्याण के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों, भाषाओं और धर्मों की परंपराएँ अलग हो सकती हैं, फिर भी सत्य, करुणा, सम्मान, न्याय और शांति जैसे मूल्यों का व्यापक महत्व स्वीकार किया जाता है। ये मूल्य व्यक्ति को केवल अपने लाभ की चिंता करने के बजाय दूसरों के अधिकारों और आवश्यकताओं को समझने की प्रेरणा देते हैं। वैश्वीकरण, तकनीकी बदलाव और बढ़ती सामाजिक विविधता के दौर में इनके आधार पर ही जिम्मेदार आचरण तथा स्वस्थ सामाजिक संबंध विकसित किए जा सकते हैं।

सत्य और ईमानदारी

सत्य का अर्थ वास्तविकता को यथासंभव सही ढंग से समझना और प्रस्तुत करना है। ईमानदारी में अपने कथन, काम और जिम्मेदारी के बीच समानता बनाए रखना शामिल है। विद्यार्थी परीक्षा में अनुचित साधन न अपनाए, कर्मचारी कार्य की सही जानकारी दे तथा नागरिक गलत सूचना फैलाने से बचे, तो सामाजिक विश्वास बढ़ता है। सार्वजनिक संस्थाओं में पारदर्शिता, निष्पक्ष रिपोर्टिंग और जवाबदेही के लिए भी यह मूल्य आवश्यक है। केवल सच बोलना पर्याप्त नहीं; किसी सूचना की पुष्टि करना और गलती सामने आने पर उसे स्वीकार करके सुधारना भी ईमानदारी का व्यावहारिक रूप है।

प्रेम, करुणा और सहानुभूति

प्रेम एवं करुणा हमें दूसरे व्यक्ति के दुख, भय और कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। सहानुभूति से हम किसी व्यक्ति की परिस्थिति को उसके दृष्टिकोण से समझने का प्रयास करते हैं। यह मूल्य परिवार में देखभाल, पड़ोस में सहयोग और कार्यस्थल पर मानवीय व्यवहार का आधार है। प्राकृतिक आपदा में राहत पहुँचाना, अस्वस्थ व्यक्ति का साथ देना या किसी सहपाठी की सीखने की कठिनाई समझना इसके उदाहरण हैं। करुणा का अर्थ हर गलत कार्य को स्वीकार करना नहीं; न्याय और नियमों का पालन करते हुए भी सम्मानजनक तथा मानवीय दृष्टिकोण बनाए रखना है।